JET13-2-3.

सूधी लेनेवालों के लिए परमे·ार की प्रेरणा - प्रोग्राम 3

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आज द जॉन एन्करबर्ग शो में,

केन टाडा: ऐसा समय था जब मुझे बस बिस्तर के किनारे बैठना था, एक शाम के समय मैंने जॉनी से कहा, मैं अभी भी तुम से प्यार करता हूँ, लेकिन मुझे तुम्हारे अयोग्यता के कारण फंसे जैसे लगता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : परमेश्वर कैसे उन लोगों की परवाह करता है, जो प्रतिदिन अपने प्रियजन की सूधी लेते हैं?

जॉनी ईरीकसन टाडा: मैंने इनकी निराशा जाते देखी, मैंने धूंद को गायब होते देखा/ मैंने इनकी आँखों में चमक देखी/ मैंने वो मुस्कान देखी जो इनके दिल से थी/ और मैं बता सकती थी कि कैन ने सोचा कि मैं ये इनके शब्द हैं, बहुमुल्य वरदान हैं, जिसके बारे में परमेश्वर ने इन्हें बताया था/

डॉक्टर माईकल ईसली: और जैसे कैन जॉनी की परवाह करते हैं, सिन्डी मेरी परवाह करती है/ और आप परवाह करते हैं, अपने दोस्त की, या अपनी माँ की, या पिता या बहन की, या बच्चे की, देखिए यहाँ पर एक सेवकाई है, जिस पर हम एक, दो, तीन चेक मार्क नही लगा सकते/ लेकिन ये सेवकाई प्रभु ने आपको दी है/ कि उसकी देखभाल करे, जो खुद की देखभाल नही कर सकते/ और ये बहुमुल्य और सामर्थी है उसकी दृष्टि में, और ये दूसरे लोगों के लिए महत्वपुर्ण है/ जैसे वो देखते हैं, कि कैसे कैन जॉनी की देखभाल करते, और सिन्डी मेरी देखभाल करती हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आज मेरे मेहमान हैं, डॉक्टर माईकल इसली, प्रेसिडेन्ट ईमेरीटस ऑफ मूडी बाइबल इन्स्टीटयुट/ और इनकी पत्नी सिन्डी, और साथ हैं, जॉनी इरीकसन फाडा/ ये फाऊन्डर हैं, जॉनी एन्ड फ्रेन्डस की, और इनके पती कैन/ हमारे साथ जुड़े इस विशेष एडीसन में, द जॉन एन्करबर्ग शो में/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमारे प्रोग्राम में आपका स्वागत है, आज महान प्रोग्राम है/ हमारे साथ हैं, डॉक्टर माईकल इसली और इनकी पत्नी सिन्डी, और केन टाडा और इनकी पत्नी जॉनी इरिकसन टाडा हैं/ और आज मैं कैन और जॉनी से शुरु करुंगा/ इस कवर पर आप एक अच्छे दम्पति दिख रहे हैं/ ऐसे व्यक्ति हैं जो प्रेम में हैं, और ये ऐसे ही हैं, मैं आप से कहता हूँ कि ये प्यार करते हैं, लेकिन ये तो बहुत मुश्किल था/ आपकी शादी को 31 साल हो गएं हैं/ जी 31 साल/ आप 46 साल से विहिल चेअर पर हैं, पिछले 12 साल से भयानक दर्द हो रहा है/ और 2010 में पता चला कि इन्हें कैन्सर है, पिछले हफ्ते हमने दर्शकों को बताया था, कि ये पूरे देश में यात्रा कर रही थी, टूटे हुए पैर के साथ, आप जाना नही चाहते थे, लेकिन फिर भी गएं, क्योंकि आप नही जानते थे, लेकिन प्लेन में बैठते ही सुजन बढने लगी/ और आपने फोन किया लॉस एन्जलीस से बालटीमोर में/ और आप ने इस बहन को क्या बताया क्योकि आप ने जो कहा उससे इनका दिल पिघल गया/

केन टाडा: जी सबसे पहले, मतलब मैंने कहा, जॉनी मैं वहाँ पर आ रहा हूँ, और ये मना कर रही थी, उस समय लेकिन मैं बता सकता हूँ, कि एक तरह से इसने कहा, मैं चाहती हूँ कि आप बस यही करे/ तो फिर अंत में अगले ही दिन मैं भी गया/ और इसने हमारे लिए जगह तैयार की, जानते हैं जॉनी ने पहली बार देखा/ कि मैंने जो कहा वो कर दिखाया/ कि मैं चाहता हूँ कि वहाँ पर रहूँ, कि मैं इनकी मदत कर सकूँ/ और मैं इस बात के लिए खेद करता हूँ कि इनका पैर टूट गया था/ मैं सोचता हुँ कि ये हमारी तैयारी थी, कैन्सर का डायगमोन्स पाने के लिए/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हम उन लोगों से चर्चा कर रहे हैं जिन्हें लगता है कि अंत आ गया है/ और आप लोगों ने सोचा कि अंत तक पहूंच गएं हैं, कईबार लगा/ और चलिए इस पर चर्चा करे जब इन्हें पता चला कि इन्हें ब्रेस्ट कैन्सर है/ यहाँ एक और धक्का था/ दूसरे शब्दों में ये बुरे से बुरा, बुरे से बुरा और बुरा हुआ/ लेकिन परमेश्वर ने आप से बातें की/ और उसने आपके डीवोशन में कहा कैन, क्या?

केन टाडा: जी, मैं सोचता क्या हुआ जॉन, और यदि मैं कुछ पल लेकर इसे बताऊँ, कि बहुत साल पहले प्रभु ने मुझ से कहा था/ कहा कि जॉनी सबसे किमती वरदान मैंने तुम्हें दिया है/ तुम इसकी देखभाल करना/ ये ऑडिबल आवाज़ नही थी/ लेकिन ये वो आवाज़ थी जो मैंने दिल में सुनी थी/ और उस समय मैं इसे नही समझ पाया/ लेकिन 2010 में, जब जॉनी के डायगनोस में कैन्सर निकला/ अंत में मैं समझ गया/ यीशु मुझे इसी लिए तैयार कर रहा था/ मुझे अच्छे से याद है, हमारे एक दोस्त आएं थे, और जॉनी के एक ब्रेस्ट में कुछ परेशानी हुई थी, हम नही जानते थे कि परिस्थिति क्या है/ लेकिन कुछ था तो हमने मैमोग्राम अपॉईन्टमेन्ट अगले ही दिन ली/ और जब हम मैमोग्राम के लिए गएं थे, देखिए इन सारी यात्रा में एक बात हमने सिखी थी, कि ये जल्दी करना और राह देखना है/ तो वो हमें नही बता पाएं कि ये कैन्सर है/ लेकिन वो अल्ट्रा साऊन्ड करना चाहते थे/ तो उन्होंने कहा, कि हम सोचते हैं कि आप यहां जाएं और संपर्क करे, आनकलॉजीकल सर्जन से/ सर्जन हमें बता सकते थे/ लेकिन उन्होंने कहा कि शायद हमें ये ऑपरेशन करवाना होगा/ क्योंकि हमें संदेह होता है/ इन्होंने ऑपरेशन करवाया/

और इस पूरी क्रिया में, जॉनी और मैंने सिखा कि परमेश्वर हमारे दिल में काम कर रहा है/ कि सब धीमा हो गया, सब रुक गया/ अब यात्रा करना नही था, याने केवल ये और मैं था/ हमने बहुत मधूर पल बिताएं. बाते करते, बैक यार्ड में समय बिताते थे, और ये जाने कि एक बड़ा चित्र है/ वो सारे मनमुटाव जो थे, जो थोड़ी बहस करते थे/ वो तो अर्थहिन हो गएं/ क्योंकि अब बड़ा चित्र था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : उस समय के बारे में बताए जब आप ने सुना कि आपको ब्रेस्ट कैन्सर है, आपकी क्रिया मैं जानता हूँ, दूसरों जैसे नही थी, आप ने सोचा मैं यहाँ से निकल गई/

जॉनी ईरीकसन टाडा: जी, मेरा मतलब है जॉन, 46 साल तक विहिल चेअर पर रहते हुए, हम स्वर्ग में नए महिमामय शरीर की राह देख रहे हैं/ ये तो सच में अच्छा था/ साथ ही भयानक दर्द से दिन भर निपटना तो मुझ में स्वर्ग की चाह लाने लगा/ और प्रतिदिन के दर्द से निपटना, बहुत मुश्किल हो गया था कि सुबह के समय उठे, और दिन भर चलते रहने की शक्ति पाएं, फिर मेरे डायगनोसेस में पता चला कि मुझे कैन्सर है/ स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैन्सर/ मैंने सोचा वाह, यीशु ये मेरे स्वर्ग का टिकट है/ और उसके पहले जो भी निराशा मुझ में थी वो रातो रात चली गई/ बस रातों रात चुटकी बजाते ही/ लेकिन जब मैंने देखा कि कैन का समर्पण मेरे लिए बढ रहा था/ क्योंकि ड्युटी के रुप में सूधी लेना एक बात है, याने कर्तव्य जैसे/ याने पेड़ नर्स है तो इसे करना ही होगा/ एक बात है कि सूधी लेते हैं क्योंकि वादा किया है/ ये सब सूधी लेने के अच्छे कारण हैं/ लेकिन ये तो बिलकुल अलग बात होती है जब हम देखते हैं कि सूधी लेनेवाला हमारे पास आता है, ड्युटी या कर्तव्य के कारण नही/ लेकिन वो आपके साथ रहना चाहते हैं, वो आरामदेह होना चाहते हैं, वो चाहते हैं कि बेस्ट मेडीकल ट्रीटमेन्ट करवाएं, वो चाहते हैं कि आपका दर्द चला जाएं/ और वो सही सर्जन चाहते हैं आपके ऑपरेशन के लिए/ ये सबकुछ, मैं कैन की आँखों में देख सकती थी/ इनका समर्पण, मेरे लिए, खासकर इसलिए था, कि इनका यीशु मसीह के लिए समर्पण बढ रहा था/ ये बड़ी बात थी/ बिलकुल सही/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, आप इससे बहुत डरती थी, आपने कीमो शुरु किए, और सामान्य रुप में कीमो करने के बाद, इम्युन सिस्टम और भी प्रभावित होते हैं, आप पहले ही कमज़ोर थी, और आपको निमोनिया हो गया/ आपका सबसे बड़ा डर था, आप परेशान हो गई, और श्वास नही ले सकती थी/ उस रात के बारे में बताईए, और मैं चर्चा करना चाहता हूँ कि कैसे ये आपकी करवट बदल रहे थे, और बदल रहे थे, आप श्वास नही ले सकते थे, परेशानी में थी, और मैं चर्चा करना चाहता हूँ कि आप ने क्या प्रार्थना की, और फिर क्या हुआ?

जॉनी ईरीकसन टाडा: देखिए ये एक बात है कि परेशानी के समय में करवट बदलकर पीठ के बल सोने की कोशीश करना/ जब कि फेफड़ों में जो लिकवीर है उससे निपटना पड़ता है, और वो गले तक आता है/ ये बहुत भयानक होता है/ जिसमें डुबते हैं, और बैठ नही सकते, या सिर नही उठा सकते/ याने बिस्तर पर पड़े होते हैं, और मुझे, मुझे याद है कि एक रात मैं थक गई थी/ कीमो थेरपी ने मुझे थका दिया था/ मैं उपचार से थक गई थी/ मैं परेशानी और दर्द से निपट रही थी, और मैंने कहा ओ यीशु आज मुझे तेरी ओर से स्पर्श चाहिए/ मैं तुझे महसुस कर देखना चाहती हूँ, मैं जानना चाहती हूँ कि तू करीब है/ और अगले ही पल मुझे निन्द आई और जब जागी, मेरे गले में परेशानी थी, मुझे कैन को मदत के लिए बुलाना पड़ा कि मुझे बिस्तर पर बैठाएं कि कुछ आराम आएं/ और जैसे वो मेरे बिस्तर के पास थे और लाईट डीम थी, बेड़ साईड लैम्प से, तो मैंने इनकी ओर देखा, और कहा, हे मेरे प्रभु तुम तो वो हो/ इन्होंने कहा क्या? मैंने कहा वो हो, आप यीशु हैं/ कहा ये अदभुत प्रकाशन है/ कि मेरे पती उस पल मेरे उद्धारक थे/ वो मुझे बचानेवाले छुड़ानेवाले थे, वो मसीह के राजदूत थे सबसे अच्छे शब्दों में/ ये महिमामय महसुसीकरण था/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : इन्होंने आपको ये बाद में बताया, आपको क्या लगा?

केन टाडा: ये नम्र करनेवाली बात है जब पत्नी सोचती हैं कि आप यीशु को दर्शाते हैं, जानते हैं, वो मेरा एक मौका था कि मैं दिखा सकूँ, मसीह के लिए मेरा प्रेम, यीशु के लिए मेरे प्रेम के द्वारा/ मतलब जॉनी के लिए मेरे प्यार के द्वारा/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आप डर गएं थे कि उस रात इसे खो देगे?

केन टाडा: जी, हमें पता नही था कि ये कैन्सर जॉनी पर कितना प्रभाव डालेगा, पता नही था, मतलब उस समय हम नही जानते थे, कि इनकी कीमो थेरपी ट्रीटमेन्ट इनका स्टेज 3 कैन्सर दूर करेगा, जो डायगनोस में पता चला था/ और इसलिए हम जानते थे कि निमोनिया, सबसे ज्यादा मारनेवाला है, क्वाटरप्लिजीक के लिए/ और जैसे जॉनी ने कहा कि ऐसा समय था जब इन्हें बेचैनी होने लगी थी/ तो श्वास लेने में परेशानी थी, और मैं श्वास लेने में मदत कर रहा था/ ये तो इसे पूरी क्रिया का सबसे महत्वपुर्ण भाग था/ तो, जानते हैं मैने यीशु से सुना था, इसके पहले सुना था/ और बाद में मुझे ये याद आया/ उसने मुझ से व्यक्तिगत रुप में कहा/ ये जो भी कहती है तुम बस आगे बढकर इसे करो/ तो मैंने ठान लिया था कि ये मुझे जो भी कहेगी, वो उस पल मैं जरुर करुंगा/ कि ये जो भी कहेगी, मैं इसे करुंगा/ और ये मधूर पल था, हम दोनों के लिए/ इनके लिए जॉनी के लिए, इन्होंने मुझे यीशु जैसे देखा, और मुझे ऐसा लगा कि मैं वही कर रहा हूँ जो यीशु चाहता है कि मैं करुँ/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मैं यहाँ रुककर, जॉनी, मैं चाहता हूँ कि आप कुछ बताए, उन लोगों को जो बिमार हैं, जिनके पास कैन जैसे कोई हैं, या कोई जो उनकी देखभाल कर रहा है, उन्हें उनका धन्यवाद क्यों करना चाहिए, अकसर, इस पूरे समय में?

जॉनी ईरीकसन टाडा: जी, प्रभु आभारी आत्मा को पसंद करता है/ वो देखना पसंद करता है कि उसके लोग धन्यवाद दे/ और ये पहचाने कि बहुत से दूसरे लोग उनके जीवन में निवेश करते हैं/ और मैं सोचती हूँ कि कैन के लिए प्रतिदिन मुझे सबसे महत्वपुर्ण बात यही करनी है/ कि धन्यवाद दे/ धन्यवाद दे, केवल मधूर शब्द या मख्खन लगाने से नही/ खाली तारीफ होगी/ मैं कह रही हूँ इमानदारी से सराहना करना, वो जो बलिदान करते हैं, मैं इन्हें धन्यवाद देती हूँ, ये डीनर पकाते हैं, और मैं कहती हूँ कि मेरे पती बहुत अच्छा खाना पकाते हैं/ मतलब सच में मेरे प्रभु, मैं इनकी तारीफ करती हूँ याने इस प्लेट के रंग देखिए/ कैन आप अदभुत हैं/ मुझे ये करना चाहिए/ ये सरल बातें हैं, छोटे तरीके हैं, हमेशा साबित करने से/ ये निवेश जो आपके पार्टनर आपके जीवन में करते हैं/ ये अदभुत तरिका है कि इसे बल दे, इस बंधन को जो जोड़ता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : इस समय के बारे में बताईए जब आप लोगों ने मिलकर बाइबल पढना शुरु किया/

जॉनी ईरीकसन टाडा: जी, जब हमने निराशा को जाते महसुस किया/ और नज़दीकी महसुस की, ये शायद 2003 या 4 की बात है, मुझे याद नही, जब कैन ये प्रभु से ये वचन पाया/ जॉनी तुम्हारे जीवन में सबसे किमती वरदान है/ यीशु हमारे लिए बहुत किमती हो गया/ और हम उसे बढाना चाहते थे, बहुत बढाना/ कि उसे देखे, उसे थामे रहे/ हर तरह से उसे पानी देना चाहते थे/ कि उसकी जमीन की देखभाल करे/ और हमने मिलकर बाइबल पढना शुरु किया/ एक साल में, मैं सोचती हूँ कि ऐसा करते हुए ये आठवां साल है/ लेकिन इसने हमें एक दूसरे के बहुत करीब लाया है/ और हमें प्रभु यीशु के करीब लाया है/ मुझे ये

कहना होगा कि मेरी कीमो थेरपी के अंत में, कैन मुझे 1 ओ 1 फ्री वे में ड्राईव कर रहे थे/ और मैं पीछे बंधी हूई बैठी थी/ मेरी विहिल चेअर पर, इनकी ओर देख रही थी/ और हमने बातें करना शुरु की कि कैसे दुःख उठाना, नरक के थपेड़े हैं/ नरक के ऐसे थपेड़े जो हमें जगा दे/ और मसीह के बारे में सोचने लगाए कि मसीह ने हमें किससे बचाया है/ और मुझे याद है हम ड्राइव वे में रुक गएं, याद है ना? और आप ने इग्नीशन बंद कर दिया/ और मेरी ओर रीअर व्यु मीरर में देखते हुए क्या कहा था?

केन टाडा: मैंने कहा जॉनी यदि परेशानी नरक के थपेड़े हैं, तो स्वर्ग के थपेड़े क्या होगे?

जॉनी ईरीकसन टाडा: मुझे याद है हम ने इस पर चर्चा की थी/ हमने याद किया कि स्वर्ग के थपेड़े वो दिन नही होगे जब कैन्सर नही होगा/ जब सारे मेडीकल बील चुकाए जाएगे/ सब आसान होगा और भयानक दर्द नही होगा/ स्वर्ग के थपेड़ तो यीशु को खुद में पाना है/ याने यीशु को भयानक परिस्थिती के बीच में पाना है/ इतना मधूर, याने वो खुद को मधूर रुप में प्रकट करता है/ क्योंकि ये क्रूसीकरण है/ अपने घमण्ड, इच्छा, कामना से/ और खुद को उस पर रख देना है/ और ये स्वर्गिय है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जैसे आप सोचने लगी कि आप अंत की ओर आ रही हैं, ठीक है, आप तो कगार पर थी, क्वाटर प्लिजिक में/

जॉनी ईरीकसन टाडा: जानती हूँ/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आप फिर भी मज़बुत हैं, सुंदर दिखती हैं/ लेकिन आप अपना मन कैसे शान्त करती हैं, इस अगली बात के लिए कि प्रभु के पास जाएं/

जॉनी ईरीकसन टाडा: कैन और मैं अकसर बातें करते हैं, शब्द है बड़ा चित्र सामने रखना/ कईबार दिन भर के रूटीन के बाद, हम इतने परेशान हो जाते हैं, हम तंग आते हैं भीतर देखते हुए, सबकुछ छोटा और टाईट होता है, थोड़ा और हमारे विचार छोटे होते, और हमारा संसार बहुत ही छोटा होता है/ सिन्डी ने पहले ही बताया है, कि हमें गहरी श्वास लेनी है, और खिडकीयाँ बंद करनी कि स्वर्ग की ज्योति चमके, और बड़ा चित्र रखे/ ये सब कहाँ जा रहा है, हम कहाँ खत्म होगे/ ये किससे भरा है/ इतनी मुश्किलें क्यों हैं/ एक कारण है, उद्देश है/ ये ऐसे ही नही हुआ, प्रभु नही चाहता कि हम बेकार में दुःख उठाएं/ याने बड़ा चित्र सामने रखते हुए, कैन और मैं भयानक रूटीन में रहते हुए भी/ मेडीकल स्पलाय खरिदते हैं, ग्रोशरी मार्केट में जाते हैं, ये उठाते, वो उठाते, मेरे विहिल चेअर का पंचर ठीक करते, इसकी बैटरी चार्ज करते/ याने हमें रुककर सोचना पड़ता/ कि हर परिक्षा के लिए भक्तिपुर्ण प्रतिउत्तर, हम मुश्किल के लिए/ कि हम अपने लिए जीते, अनंतकाल का प्रतिफल/ वो परेशानी से बहुत बढकर है/ प्रतिदिन की रुटीन और अयोग्यता के लिए/ और ये जीने के योग्य है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : अदभुत हैं, सिन्डी, कुछ लोगों ने उन्हें खो दिया जिनकी सूधी लेते थे, और वो सच में अकेले हैं, वो निराशा में हैं, और वो उन्हें नही बदल सकते, वो पत्नी नही बदल सकते, उन के पास जो था उससे कोई नही मिलता/ और वो बस अकेले हैं, इन लोगों को आपकी सलाह क्या हैं?

सिन्डी ईसली: जी, सबसे पहले मैं यही कहुंगी, कि ये दुःख की बात है, आपको इस क्रिया से जाना ही होगा, मैं सोचती हूँ कि जब हम दुःख को दूर करने की कोशीश करते हैं/ तो हम अपने लिए भलाई से ज्यादा नुकसान करते हैं, इस का परिणाम निराशा और क्रोध होता है/ और मैं कहूंगी कि निराशा और क्रोध महसुस करे, मुझे भजन देखना पसंद है, दाऊद ने जो लिखा वो मुझे पसंद है/ क्योंकि दाऊद, ये आदमी तो, भावनाओं से भरा था/ उसने सबकुछ अच्छे से अनुभव किया, और उसने सबकुछ प्रभु को दिया/ और कईबार मैं सोचती हुँ कि हम प्रभु को बताने से डरते हैं, कि हम क्रोधित हैं, कि हम निराश हैं, कि हम अकेले हैं/ वो जानता है, मतलब, ये ऐसा नही कि हम उससे कुछ छिपा रहे हैं, लेकिन मुझे ये पसंद है/ हरएक भजन में देखिए दाऊद, कईबार प्रभु से शिकायत करता है/ कहता है कि ये गलत है/ हरएक के अंत में वो कहता है/ प्रभु तुझ पर मैं भरोसा रखूंगा, प्रभु तुझ से मैं प्रार्थना करुंगा/ और फिलिप्पियों 4 हमें बताता है, कि हम समझ से परे शान्ति पा सकते हैं, लेकिन केवल जब हम प्रार्थना और बिनती के साथ प्रभु के पास जाते हैं, मैं सोचती हुं कि ये पहली बात है, हमें प्रभु के पास जाकर ये कहना है कि मैं ये महसुस करता हूँ, और वो इस क्रिया में हमारे साथ काम करे/

और दूसरी बात तो इतनी ही मुश्किल है/ कि हमें उससे बाहर आना होगा/ आप दोस्त के साथ लंच जाने की योजना बनाएं, और खुद को जाने के लिए जबरदस्ती करे, आप जाना नही चाहते, आप अपने दर्द में जीना चाहते हैं, उससे बाहर आएं अपने दुःख से बाहर आएं/ किसी के जीवन में जुड़ जाए, खुद मर्जी से कुछ करे/ अपने पडौस में या चर्च में उसे ढूडे जिसे मदत की जरुरत है/ और उनकी मदत करे, कुछ करे जो आपको खुद से परे ले जाएं/ और दूसरों की जरुरत को देखे/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, मुझे याद है मैंने पढा था डेथ सायकॉलॉजिस्ट को, उन्होंने कहा जब आप शोकित हैं, तो ये आय क्यु की समस्या नही है/ याने जब जीवन साथी खो देते हैं तो ये 24 महिने पहले इसे जानते हैं, कि ये होनेवाला है, या ज्यादा समय से/

सिन्डी ईसली: बिलकुल, और ये हम पर शारीरिक रुप में प्रभाव डालता है, हो सकता है कि अकसर बिमार होते हैं/ ये आपके पूरे व्यक्तित्व पर प्रभाव डालता है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, माईकल, हम अंत पर पहूंचने के बारे में कह रहे हैं, ठीक है, बहुत दर्द और परेशानी थी और अब अंत में पहुंचे हैं/ और अब मृत्यु पास ही थी/ ठीक है, चलिए उस कमरे में चले जहाँ ये व्यक्ति बीमार है/ वो वहाँ मरने पर हैं, शायद इसी हफ्ते, या हो सकता कुछ महिने में, या शायद दो साल में, याने वो करीब हैं/ और किसी कारण से वहाँ पर परिवार है, और वो सब साथ में हैं और आप उन से कुछ कहनेवाले हैं, वो व्यक्ति जानना चाहते हैं कि मैंने कैसे निश्चित रुप में जानूँ, इस यीशु को, मैं कैसे जानूँ कि इसने मेरे पापों को माफ किया/ मैं कैसे जानूँ कि जब मैं मरुंगा, जब अपनी आँखें बंद करुंगा तो मैं उसे स्वर्ग में खोलूंगा/

डॉक्टर माईकल ईसली: पौलुस हमें बताता है कि पाप की मज़दूरी मृत्यु है, लेकिन परमेश्वर का मुफ्त का वरदान अनंत जीवन है/ और जॉन, हम अकसर सडक के किनार क्रूस देखते हैं, एक बड़ा कूस दोनों तरफ क्रूस हैं, बचपन से मैं इस तस्वीर को देखते आया हूँ, और मैं इससे चकित होता हूँ कि एक आदमी कहता है, अजीब उसके शब्द थे खुद को और हमें भी क्रूस से उतार दे/ दूसरा आदमी उसे डांटते हुए कहता है/ इससे कुछ न कहना, इसने कुछ गलत नही किया है/ हम इस दण्ड के लायक हैं, और फिर वो मसीह से कहता है, जब तू अपने राज्य में आएगा तो मुझे स्मरण करना/ और

क्रूस के ये दो साईड सारी मानव जाती को दर्शाते हैं/ याने हम मुट्ठी बांधकर कहते प्रभु तू कहाँ है/ मैं क्यों परेशानी में हूँ, मैं क्यों दर्द में जी रहा हूँ, मैंने क्यों दफनाया है, अपने दोस्त को, पती या पत्नी या बच्चे को? हम परमेश्वर से मांग करते हैं/ और दूसरा कहता है तू मुझे स्मरण कर/ और उसके लिए यीशु के शब्द थे, आज ही, आज ही, तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा/ उसने मसिह पर भरोसा रखा/ उसने उसके शब्दों में विश्वास रखा/

और हमें ये मौका दिया गया है कि मैं कौनसा व्यक्ति हो जाऊंगा/ ऐसा व्यक्ति जिसका जीवन सही नही था और प्रभु की दया मांगता था/ और ये ऑफर सबके लिए है, जो भी उस पर भरोसा रखे, वो जीया और मरा और गाढा गया/ वो मुर्दों में से जी उठा/ हमें केवल मसीह और मसीह पर ही भरोसा रखना है/ तब हम उसके साथ उसके राज्य में अनंतकाल के लिए होगे/ क्वाटर प्लीजीक नही, पीठ का दर्द नही, कैन्सर नही होगा/ किसी तरह की बिमारी नही, ए एल एस नही, अलझायमर नही, डयमेन्शिया नही, अकेलापन नही, ये अनंतकाल का है, जीवन पर ये धुंदलापन नही, जिससे लड़ते आएं हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : मैं चाहता हूँ कि आप प्रार्थना में लोगों की अगुवाई करे/ ठिक है, क्योंकि इन्हें प्रार्थना कर प्रभु से बिनती करनी है/ बहुत से लोग कहते माइकल मुझे प्रार्थना करनी नही आती/ ठीक है, प्रार्थना में अगुवाई कीजिए/

डॉक्टर माईकल ईसली: देखिए प्रार्थना कोई जादूई चिराग नही कि घिसते रहे, लेकिन आप प्रभु से बातें करते हैं, ये कुछ ऐसे शब्दों में होगी, स्वर्गिय पिता, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी मनुष्य हूँ, मैं जानता हूँ कि मै कुछ नही कर सकता जिससे तेरा ध्यान और कृपा प्राप्त हो सकती है/ लेकिन शायद अब ये पहली बार है कि मैं समझ गया हूँ, कि तूने मेरे लिए क्या किया है, मसीह मुझ से प्रेम करता, वो जीया और मरा, वो मृत्यु को साबित करने के लिए वो गाढा गया/ और वो मुर्दों में से जी उठा/ और इसके कारण मैं मसीह और केवल मसीह पर भरोसा रखता हूँ, उद्धार के लिए, और अनंतजीवन की गैरन्टी के लिए/ इसलिए पिता अब सबसे अच्छी तरह से, मैं अपना भरोसा यीशु मसीह पर रखता हूँ, मैं जो किया उसके लिए नही, लेकिन जो तूने किया है/ मैं विश्वास करता हूँ, भरोसा करता हूँ, और मैं मुफ्त का वरदान पाता हूँ जिसे कहते हैं अनंत जीवन/ मेरे पाप माफ करने के लिए धन्यवाद, और मुझे अधिकार देने के लिए कि परमेश्वर के राज्य का वारीस हो जाऊं, सदा के लिए/ आमीन/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : दोस्तों, यदि आप ने ये प्रार्थना की है, तो याद रखे, बाइबल प्रतिज्ञा करती है रोमियो 10:13 में, जो भी याने आप, जो भी प्रभु का नाम पुकारता है, अपने पूरे दिल से इमानदारी से ये प्रार्थना करते हैं, प्रभु ने नीचे देखकर ये प्रार्थना सुनी है/ ये कहता है कि वो उद्धार पाएगा, उसने आपके लिए यही किया, मेरे लिए यही किया/ मैं आप सबका धन्यवाद देता हूँ कि आप यहाँ आएं, आप लोग जो देख रहे हैं यदि किसी को कैलिफोरनिया से जाना पड़ता, जो क्वाटर प्लिज़िक हैं/ और भयानक दर्द में, हर समय रहते हैं, ये मेरे लिए बहुत विशेष हैं, कि ये यहाँ आई/ और कैन आप भी आएं, और खुद को इस तरह खोला/ हम सब के लिए/ मैं आप लोगों से प्यार करता हूँ, और माईकल यही बात है/ आप यहाँ दर्द में बैठे हैं और हम से बातें कर रहे हैं/ अदभुत रुप में, और सिन्डी आप भी आई और मेरे सवाल का जवाब दिया/ और हमें अपने अनुभव बताएं, बहुत बहुत धन्यवाद दोस्तों, आपकी किताब, जॉनी और कैन की अनटोल्ड लव स्टोरी, और डान्सींग विथ द वन यू लव, सिन्डी इसली की/ मैं आशा करता हूँ कि आप ये किताब जरुर लेगे, और आशा करता हूँ कि आप बने रहे, हम आपको बताएगे कि कैसे ये प्रोग्राम पा सकते हैं, इसी समय/ सुनिए/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI